इंदौर में 8 अक्तूबर, 2014 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, 2014 के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. मेरे अपने शहर इंदौर में हो रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित किया। इंदौर की सांसद होने के नाते मैं तमाम उद्योगपतियों और अन्य अतिथियों का स्वागत करती हूं और उनकी सफलता की कामना करती हूं।

2. यहां इस आयोजन का होना इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। यहां पिछले कुछ वर्षों में काफी निवेश हुआ है और इस तरह के आयोजनों के माध्यम से यह सिलसिला जारी है। यह दौर आगे भी निरंतर इसलिए चलते रहना चाहिए क्योंकि यहां स्थिर, योग्य, विश्वसनीय और प्रगतिशील सोच वाली सरकार काम कर रही है। मध्यप्रदेश न केवल देश का दिल है बल्कि अवसरों का केंद्र भी है।

3. मुझे जानकारी मिली है कि यहां कौन-कौन इन्वेस्टर्स आ रहे हैं। कई बड़े नाम हैं, वहीं कुछ मध्यम स्तर के उद्योगपति हैं तो कुछ अनजाने भी। जो भी उद्यमीबंधु हैं, उन सबके लिए मध्यप्रदेश में निश्चय ही काफी संभावनाएं हैं। हमारे पास क्या नहीं है इन्हें देने के लिए, प्रकृति ने हमें अकूत संसाधन दिए हैं। मध्यप्रदेश में 21 तरह के खनिज मिलते हैं और निवेश के लिए तो हीरा है हमारा प्रदेश। यहां पर्याप्त पानी है, बिजली है, जमीन है और मेहनतशील श्रम शक्ति की भी कोई कमी नहीं है। शांति-सुरक्षा के साथ ही इंडस्ट्रीज के लिए उपयुक्त माहौल भी देश के इस दूसरे सबसे बड़े राज्य में है।

4. उद्योग-धंधों के लिए सिंगल विंडो की बातें पिछले कुछ वर्षों से हर जगह होने लगी है, इस बिंदु पर राज्यों में होड़ भी रही है, लेकिन हमें अब इससे आगे बढ़कर कुछ सोचना चाहिए। सिंगल विंडो के साथ-साथ अब सिंगल टाइम प्रेम पर फोकस करना होगा ताकि सारी स्वीकृतियां तुरंत मिल जाएं। सिंगल टाइम प्रेम का यह समय एक दिन हो सकता है, सात दिन का भी हो सकता है या फिर एक पखवाड़ा अथवा महीना भर, जो भी हो, पर सारे कार्य समय-सीमा में ही होना चाहिए।

5. मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगी कि कागजी कार्यवाही भी सरल होना चाहिए। लंबी-चौड़ी कागजी कार्यवाही उद्योगपतियों को हतोत्साहित करती हैं, नियम सरल बनाने के साथ-साथ कागजी औपचारिकताएं सीमित करके निवेशकों की सहायता की जानी चाहिए। राज्य सरकार के अधिकारी यह काम करके प्रदेश के इन्वेस्टमेंट एम्बेसडर्स बन सकते हैं। आखिर में इन्हीं अफसरों से तो सबका पाला पड़ता है।

6. इन्वेस्टर्स समिट में आज का दिन एम.एस.एम.ई. के लिए नियत है। माइक्रो, स्मॉल और मीडियम स्केल इंडस्ट्रीज देश की अर्थव्यवस्था के इंजन हैं। हमारे देश में इस तरह के उद्यम तीन करोड़ से ज्यादा हैं, जिनकी देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में लगभग आधी भागीदारी है। ये उद्योग तकरीबन सात करोड़ परिवारों का पेट पाल रहे हैं, साथ ही जी.डी.पी. में इनका योगदान बढ़ ही रहा है। उत्पादन बढ़ने का अर्थ है कि जॉब्स और बढ़ेंगे। जब उद्योगों का पहिया दौड़ेगा, मशीनें कल-कल घूमेगी तो कमाई होगी और लोगों का काम-धंधा चलता रहेगा। रोजगार होगा तो लोगों के घर चलेंगे, बच्चे पढ़ेंगे-बढ़ेंगे, यानी यह पूरी एक साइकिल है हमारी प्रोग्रेस की।

7. आज के समय में लोकल मार्केट्स में हर छोटी-बड़ी वस्तु विदेशों से आ जाती हैं, क्योंकि वे सस्ती होती हैं। अब हमें क्या करना है? कॉम्पीटिशन के इस दौर में हमें अपने हिस्से का बाज़ार चाहिए और अपना बाज़ार तो बचाना ही है। चीजें सस्ती बनें और टिकाऊ भी हो, तभी हमारे उद्योग-धंधें टिक पाएंगे। घर-घर, बस्ती-बस्ती में चलने वाले छोटे कुटीर उद्योगों को ताकत देनी होगी, जहां से काफी बड़ी आबादी का घर चलता है।

8. छोटे उद्यम, उद्यमिता के स्कूल हैं। इन उद्यमों में रचनात्मकता, नवीनता और मेहनत का जबरदस्त तालमेल देखने को मिलता है। एक्सपोर्ट में करीब 40 प्रतिशत योगदान इन उद्यमों का ही है। यह आंकड़ा निश्चय ही चौंकाने वाला है, इसलिए इन्हें और भी प्रोत्साहित करने की जरूरत है। भले ही यह सेक्टर बहुत बड़ा है, लेकिन यहां 10 में 9 इंडस्ट्रीज पूरी तरह असंगठित है। स्थानीय लोगों और उनके स्किल के आधार पर कार्य कर रहे इन कुटीर उद्योगों के लिए चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बिजली-पानी की, सरकारी ढर्रे की, तकनीक और गाइडेंस की कमी की, लेकिन इन सबसे पार पाना होगा, क्योंकि यह एक ऐसा सेक्टर है जहां लैटरल ग्रोथ है।

9. देश में विकास के लिए रिसोर्सेज और टेक्नोलॉजी दोनों की ही जरूरत होती है। ग्लोबलाइजेशन और आई.टी. क्रांति से दूरियां मिटी है और इस दौर में आप दूर-दूर से यहां संभावनाएं तलाशने आए हैं। यह निश्चय ही सुनहरा अवसर है।

10. मेरे प्रदेश की मिट्टी में मेरा दृढ़ विश्वास है। यहां सब कुछ है, ऐसे में आज आप इन्वेस्ट कीजिए, रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट सुनिश्चित है। मध्य प्रदेश में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। यह देश का पांचवां सबसे बड़ा मछली उत्पादक और छठा सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाला राज्य है। मध्यप्रदेश को लगातार दो साल तक कृषि कर्म पुरस्कार मिल चुका है। यह राज्य बागबानी के उभरते क्षेत्र के रूप में भी तरक्की कर रहा है। इसी प्रोडक्टिविटी के कारण हमारे प्रदेश में फल-सब्जियों, फूलों, डेयरी, फ़ूड-पार्कों, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसेज, लॉजिस्टिक्स व सिंचाई परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

11. मध्य प्रदेश को अपने टाइगरों, नेशनल पार्क वाले घने जंगलों के साथ-साथ परम्परागत हस्तशिल्प और हथकरघा के लिए भी जाना जाता है। चंदेरी और महेश्वरी कारीगरी की प्रदेश से बाहर भी दुनियाभर में पहचान है। साँची, खजुराहो और भीमबेटका विश्व विरासत है। इन सबको देखते हुए पर्यटन के क्षेत्र में भी निवेश की काफी गुंजाइश है। आप सुविधाओं के लिए निवेश करें, पर्यटक तो यहां आएंगे ही।

12. मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम, आई.टी., ऑटोमोबाइल आदि क्षेत्र भी तेजी से फल-फूल रहे हैं। सर्विस सेक्टर भी यहां बढ़ा है। पीथमपुर-धार-महू इन्वेस्टमेंट एरिया, अपनी संभावनाओं के कारण आज दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरीडोर (डीएमआईसी) प्रोजेक्ट के पहले चरण के आठ निवेश क्षेत्रों में से एक है।

13. मध्यप्रदेश का तंत्र मोदी जी के ``मेक इन इंडिया'' के मंत्र के अनुकूल है और अब शिवराज जी ने भी स्लोगन दे ही दिया है-मेक इन एमपी। ऐसे में, आप सभी के लिए व यहां के निवासियों के लिए भी सुकून की बात है कि अब निवेश के इस अनुकूल माहौल से प्रदेश पर खुशियों की बरसात होगी।

14. विकास के सभी दरवाजे खोलने के लिए और दुनिया में नाम कमाने के लिए हमें कुछ वर्ल्ड क्लास करना होगा, जो इंदौर के साथ-साथ मध्यप्रदेश की और देश की पहचान बन जाए। हमें यहां पर एक वर्ल्ड क्लॉस - स्टेट ऑफ द ऑर्ट एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर की कल्पना को साकार करना होगा, जहां बिजनेस की सारी सुविधाएं हो और पर्यटन की संभावनाएं भी हों। एम.पी. को विश्व के वाणिज्यिक नक्शे पर इंदौर के रास्ते लाना होगा। इसके लिए वर्ल्ड क्लास एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर को एक्जीबिशन/डिस्पले एरिना, कन्वेंशन सेंटर, इंटरटेनमेंट ज़ोन, बिजनेस सेंटर, कांप्रेंस हॉल, कम्यूनिकेशन सेंटर और हॉस्पिटैलिटी ज़ोन इत्यादि सुविधाओं से भरपूर करना होगा।

15. दुनिया के हर बड़े शहर की अपनी पहचान है। चीन का ग्वांगचाऊ इलेक्ट्रिकल गुड्स के लिए जाना जाता है तो अमरीका का डेट्राइट ऑटोमोबाइल्स के लिए। जर्मनी का फ्रैंकफर्ट इंडस्ट्रीज के लिए, वहीं फ्रांस का पेरिस फैशन के लिए फेमस है। ऐसे ही इंडिया के इंदौर की पहचान यह स्टेट ऑफ द आर्ट एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर बनें, यह हमारा सपना है, परिकल्पना है, जिसे सभी को साकार करना है।

6. मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मुझे देश-दुनिया के इन्वेस्टर्स के साथ रूबरू होने का मौका दिया। मुझे पूरा विश्वास है कि इस इन्वेस्टर्स समिट से यह साबित होगा कि मध्यप्रदेश केवल देश का भौगोलिक केन्द्र-बिन्दु ही नहीं है, बल्कि अब तो सर्वोच्च प्राथमिकता वाला इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन और सेंटर ऑफ ग्रेविटी फॉर इन्वेस्टमेंट भी बन सकता है।

धन्यवाद।